अध्याय:3

शोध प्राविधि और अध्ययन क्षेत्र

समस्याकथन

सांसद आदर्श ग्राम योजना का ग्रामीण विकास पर प्रभाव तथा दो ग्राम पंचायतों में विकास का तुलनात्मक अध्ययन।

शोध की प्रासंगिकता

भारत गांवों का देश है और आज भी देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी गांवों में ही निवास करती है। ऐसे में भारत सरकार उनके विकास के लिए नित नई योजनाएँ लागू करती है फिर आज देश की आजादी के 70 वर्ष बाद भी गांवों में आजादी के समय से चली आ रही कुछ समस्याएँ विद्यमान है। इस शोध के माध्यम से 'सांसद आदर्श ग्राम योजना' उन समस्याओं के समाधान तथा अपने लक्ष्यों की प्राप्ति में कहा तक सफल हो पाया है,इसका अध्ययन किया जाएगा।

शोध का उद्देश्य

शोध विषय 'सांसद आदर्श ग्राम योजना तथा ग्रामीण विकास:तुलनात्मक अध्ययन (जयापुर और दुल्लहपुर शंकर सिंह गाँव के विशेष सन्दर्भ में)' के लिए निम्न उद्देश्य तय किए गए हैं-

- ❖ प्रधानमंत्री द्वारा तथा अन्य सांसद द्वारा गोद लिए गावं के विकास में अंतर का अध्ययन।
- ❖ ग्रामीण विकास में 'सांसद आदर्श ग्राम योजना' का योगदान तथा महत्व का अध्ययन।

शोध क्षेत्र एवं उसकी सीमाएं

शोध विषय 'सांसद आदर्श ग्राम योजना तथा ग्रामीण विकास:तुलनात्मक अध्ययन' को ध्यान में रखते हुए एवं सही समय से शोध को स्वरूप देने के लिए सांसद आदर्श ग्राम योजना के तहत उत्तर प्रदेश के गोद लिए गांवों जयापुर और दुल्लहपुर का चयन किया जाएगा।

शोध प्रविधि

- अवलोकन
- साक्षात्कार प्रविधि

शोध उपकरण

- प्रश्नावली
- अनुसूची

अध्ययन क्षेत्र : एक परिचय

जयापुर

ग्राम प्रधान : नारायण पटेल

जनसंख्या : लगभग 4200

स्त्री : 2000

पुरुष : 2200

क्षेत्रफल : 1।72 कि।मी।

तहसील : अराजिलाइन

पोस्ट ऑफिस : जयापुर

जिला : वाराणसी

राज्य : उत्तर प्रदेश

डिविजन : वाराणसी

भाषा : हिन्दी

पिन कोड : 221305

जयापुर गाँव, उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में स्थित है। यह गाँव वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन से 28कि।मी। और सेवापुरी विधान सभा क्षेत्र के राजातलाब रेलवे स्टेशन से 7कि.मी. दूरी पर स्थित है। यह गाँव वाराणसी एवं मिर्जापुर के बीच स्थित है। जयापुर के पूर्व में अराजीलाइन तहसील एवं दक्षिण में शिषर तहसील से घिरा हुआ है। यह गाँव भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जिसको प्रधानमन्त्री द्वारा 7 नवम्बर 2014 को 'सांसद आदर्श ग्राम योजना' के अंतर्गत गोद लिया गया। इस गाँव को 'राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ' द्वारा 2002 में पहले ही 'आदर्श ग्राम स्कीम' के अंतर्गत चयनित किया गया था।जयापुर गाँव ग्राम पंचायत के अंतर्गत तीन गाँव जयापुर, मानिकपुर और मुन्सेपुर शामिल है।

गाँव का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

जयापुर गाँव के बुजुर्गों के अनुसार यह गाँव लगभग 400 साल पुराना है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर प्रो।के।के।मिश्रा के अनुसार, यह गाँव 17वी शताब्दी का है। मुग़ल सम्राट औरंगजेब जिसको मंदिर विध्वंसक के रूप में जाना जाता है, उसी के सैनिकों ने इस गाँव के एक हनुमान मंदिर की रक्षा करते थे इसका वर्णन इतिहास में मिलता है।

भौगोलिक स्थिति

यह गाँव वाराणसी जिले से अराजीलाइन ब्लॉक में स्थित है। गाँव का कुल क्षेत्रफल 1।72 कि।मी। है। गाँव की कुल जनसंख्या लगभग 4200 है। गाँव में कुल परिवारों की संख्या 401 है। गाँव की साक्षरता दर 76।36% है जिसमे पुरुषों की 89।12% और महिलाओं की साक्षरता दर 61।27% है। गाँव का लिंगानुपात 944 है। इस क्षेत्र का औसत वार्षिक तापमान 26०C है जिसमे गर्मियों का औसत तापमान 40०C और शर्दियों के समय का औसत तापमान 18०C रहता है। यहाँ की भाषा हिंदी है, आपसी बातचीत में भोजपुरी भी प्रयोग किया जाता है।

सामाजिक स्थिति

जयापुर गाँव में सामान्य वर्ग की जनसंख्या लगभग 65% है I लगभग 24% अन्य पिछड़ी वर्ग के लोग निवास करते है I अनुसूचित जाती एवं जनजाति की जनसंख्या 10।89% है I गाँव में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों की संख्या 117 है I

आर्थिक स्थिति

गाँव के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि एवं पशुपालन है I गाँव के अधिक्तर लोगों के आजीविका का मुख्य साधन कृषि है I इसके अतिरिक्त संगठित क्षेत्र (सरकारी नौकरी) तथा कुछ स्वयं के व्यवसाय में है। गाँव में कुल मुख्य कर्मकारों की संख्या 1144 है, इसमे 297 कृषक, 135 कृषि श्रमिक, 50 पारिवारिक उद्दोगों में संलग्न तथा 404 लोग अन्य आर्थिक गतिविधियों में संलग्न है।

दुल्लहपुर शंकर सिंह

ग्राम प्रधान : विमला देवी

जनसंख्या : 3287

स्त्री : 1561

पुरुष : 1726

क्षेत्रफल : 0।43 वर्ग कि।मी।

तहसील : जखनिया

पोस्ट ऑफिस : दुल्लहपुर

जिला : गाजीपुर

राज्य : उत्तर प्रदेश

डिविजन : वाराणसी

भाषा : हिन्दी, भोजपुरी

पिन कोड : 275202

दुल्लहपुर शंकर सिंह गाँव उत्तर प्रदेश राज्य के गाजीपुर जिले में स्थित है। इस गाँव के अंतर्गत दुल्लहपुर, पृथ्वीपुर, इनामी मौजा आते है। यह गाँव गाजीपुर जिला मुख्यालय से 45कि।मी। तथा गहमर रेलवे स्टेशन से 7।4 कि।मी। की दूरी पर स्थित है। इस गाँव को तत्कालीन रेल राज्यमंत्री एवं सांसद मनोज सिन्हा द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आदर्श ग्राम की अवधारणा को ध्यान में रखकर 'सांसद आदर्श ग्राम योजना' के अंतर्गत नवम्बर 2014 में गोद लिया गया।

भौगोलिक स्थिति

यह गाँव गाजीपुर जिले के जखनियां ब्लॉक में स्थित है। गाँव का कुल क्षेत्रफल 0।43 कि।मी। है। गाँव की कुल जनसंख्या 3287 है, जिसमे 1726 पुरुष एवं 1561 महिलाएं है। गाँव में कुल परिवारों की संख्या 444 है। गाँव की

साक्षरता दर 83% है, जिसमे पुरुषों की 90।06 और महिलाओं की 75।17 है। इस क्षेत्र का औसत वार्षिक तापमान जयापुर के ही बराबर है। क्षेत्र में हिंदी और भोजपुरी बोली जाती है और देवनागरी लिपि में लिखी जाती है।

सामाजिक स्थिति

इस गाँव के मूल निवासी चौहान है, परन्तु वर्त्तमान में वैश्य वर्ग के लोग व्यवसाय के लिए इस क्षेत्र में अधिक आ रहे है। सामान्य वर्ग की संख्या बहुत कम है। अनुसूचित जाती एवं जनजाति कुल जनसँख्या के 7।21% है।

आर्थिक स्थिति

गाँव के लोगों का मुख्य व्यवसाय, खुदरा व्यवसाय जैसे-फर्निचर,स्टील, परचून की दूकान इत्यादि। खेती यहाँ के लोगों का द्वितीयक व्यवसाय है जिसमे यहाँ के मूल निवासी ज्यादा शामिल है। गाँव में मुख्य श्रमिकों की संख्या 794 तथा सीमांत श्रमिकों की संख्या 109 है। मुख्य कर्मकरों में से 63 कृषक, 45 कृषि श्रमिक तथा पारिवारिक उद्दोगों में शामिल लोगों की संख्या 64 है। 513 लोग अन्य आर्थिक गतिविधियों में कार्यशील है।